खबर संक्षेप

दीपावली पर सात परिवारों को अनुकंपा नियुक्ति का तोहफा

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने दीपावली पर्व पर सात परिवारो को अनुकंपा नियुक्ति का तोहफा दिया है।उन्होने बताया कि कार्यालय तहसील मानपुर के दिवंगत शासकीय सेवक स्व.श्रीमती बेला बाई सिंह के स्थान पर धनंजय सिंह को कार्यालय तहसील मानपुर,जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के स्व. भूपेन्द्र सिंह के स्थान पर राहुल सिंह को शासकीय आईटीआई प्रशिक्षण संस्था उमरिया, जनजातीय कार्य विभाग के दिवंगत शासकीय सेवक स्व. प्रभात त्रिपाठी के स्थान पर प्रज्ञान त्रिपाठी को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के दिवंगत शासकीय सेवक स्व. अशोक कुमार पांडेय के स्थान पर उमादत्त पांडे को सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के दिवंगत शासकीय सेवक मान सिंह के स्थान पर जागेश्वर प्रताप सिंह को जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग,जन जातीय कार्य विभाग के दिवंगत शासकीय सेवक स्व. राम सुजान सोनी के स्थान पर अभिषेक सिंह को कार्यालय तहसील तहसील मानपुर तथा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के दिवंगत शासकीय सेवक स्व. अशोक लकडा के स्थान पर अनंत लकडा को कार्यालय कलेक्टर में अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई है।

पूर्व सरपंच बृजलाल सिंह का निधन

जयसिंहनगर। जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम पंचायत बसोहरा निवासी बृजलाल सिंह का 64 वर्ष की आयु में शनिवार 18 अक्टूबर को सुबह आकस्मिक निधन हो गया। बृजलाल सिंह ग्राम पंचायत बसोहरा के पूर्व सरपंच रह चुके हैं। वह कुल मिलाकर 02 पंचवर्षीय अर्थात 10 वर्षों तक सरपंच रहे। विगत कुछ दिनों से उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था और शनिवार की सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली, गृहग्राम में ही उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन से गांव में शोक का माहौल है, वहीं ग्रामीण जनों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है।

सिकल सेल एनीमिया की जांच एवं उपचार की दी गई जानकारी

शहडोल। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में सिकल सेल उपचार प्रशिक्षण का एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। डीन मेडिकल कॉलेज डॉ. गिरीस बी रामटेके ने कहा कि सिकल सेल अनुवांशिकी बीमारी है यह पीढ़ी दर पीढ़ी होती है। सिकल सेल एनीमिया के प्रति लोगो को जागरूक करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सिकल सेल एनीमिया की जांच स्वास्थ्य केंद्रो में निःशुल्क की जाती है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से जिले के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में सीएचसी में कार्यरत चिकित्सा अधिकारियों को गर्भावस्था में सिकल सेल रोग की जांच और उपचार के विभिन्न आयामों के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर डॉ.सोना सिंह एवं डा. नेहा जैन ने पोस्ट नेटल केयर और डा. अंशु शोभानी ने हाइड्रोक्सीयूरिया थेरेपी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हिमांशु तिवारी ने किया।

विभागीय अधिकारी उदासीन, शिकायतों की सुनवाई नहीं, किसान हुए निराश

दशकों से अधूरे पड़े करोड़ों के बांध 12 सौ हेक्टयर भूमि असिंचित

शहडोल। संभाग अंतर्गत उमरिया जिले के पाली ब्लाक में स्थित असिंचित करीब आधा दर्जन गांवों की कृषि में सुधार लाने और किसानों को राहत पहुंचाने के लिए शासन ने बांध बनवाने सिंचाई विभाग को करोड़ों का बजट आवंटित किया। लेकिन किसानों को सिंचाई सुविधा आज तक नहीं मिली। पहडिय़ा पंचायत का बांध 45 वर्षों में भी पूर्ण नहीं हुआ और अब इसका स्वरूप मिटने लगा है। इसी तरह फिर एक बांध बड़वाही पंचायत के ददरा टोला में शुरू कराया गया लेकिन यह भी अपूर्ण है और अब काम पूरी तरह से बंद है। हैरानी की बात है कि शासन ने बांधों के लिए दो बार भारी भरकम राशियां जारी की लेकिन एक बार भी बांधो की हालत देखने और उनकी समीक्षा करने की जरूरत नहीं समझी। एक बार भी किसी अधिकारी ने मौका मुआयना नहीं किया। जबकि किसानों ने पाली से लेकर जिला उमरिया और संभाग शहडोल तक अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया है।

अधूरा पड़ा पहडिया बांध

ग्रामीणों के अनुसार पहडिय़ा बांध सन 1980 में स्वीकृत हुआ और एक करोड़ से अधिक के लागत से इसका निर्माण प्रारंभ कराया गया। इस दौरान इसमें वेस्ट वेयर, मेढ़ बंधान और पत्थर पिचिंग का कार्य कराया गया। इसके बाद इसमें नाला बांधने और नहर बनाने का काम किया जाना था। लेकिन उसी बीच काम अचानक बंद कर दिया गया। तब से आज तक यह उसी हालत में पड़ा है। इन दो कार्यों के अभाव में बांध न तो पूर्ण हुआ और न सिंचाई प्रारंभ हो सकी। अब हालत यह है कि बांध के पत्थर क्रेशर वाले और ट्रैक्टर वाले उखाड़ कर ले जा रहे हैं। मौके पर बांध का हुलिया नजर नहीं आता है। यह खाली पड़ी चरागन भूमि सा नजर आता है, जिसमें बरसाती घास फूस और झाडिय़ों की भरमार है।

परकोलेशन टैंक भी अपूर्ण

इसके बाद पड़ोस की बड़वाही पंचायत के ददरा टोला में वर्ष 1921-22 में लगभग 1 करोड़ 36 लाख रुपए की लागत से परकोलेशन टैंक का निर्माण कार्य स्वीकृत किया। यहां भी काम शुरू कराया गया और बीच में ही पूर्व के बांध की तरह बंद कर दिया गया। इसमें कार्य संबंधी बोर्ड लगा हुआ है। जिसमें कार्य का ब्यौरा दर्ज है, यहां कार्य प्रारंभ दिवस 11 अक्टूबर 21 दर्शित है। यह बांध भी 4 वर्षों से अधूरा पड़ा है और अब अपना स्वरूप खोता जा रहा है। कार्य बार बार क्यों बंद करा दिया जाता है, यह जानकारी किसी को नहीं दी जाती है।

12 सौ हेक्टयर का था लक्ष्य

किसानों के अनुसार शासन ने सिंचाई के लिए बड़वाही, पहडिय़ा, भदरा, अर्जुनी, बकेली आदि की करीब 12 सौ हेक्टयर असिंचित भूमि को सिंचित करने का लक्ष्य रखा था। इससे इन गांवों के गरीब किसानों को यह आस जगी थी कि उनकी वर्षा आधारित जमीन के लिए सिंचाई की सुविधा मिलेगी और उनकी खेती समृद्ध होगी। लेकिन शासकीय निकम्मेपन के कारण किसानों की आशा 45 साल में भी पूरी नही हुई। अब बांधों की जो हालत है उसे देखकर यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि किसानों की आस शायद ही कभी फलित हो।

हद दर्जे का निकम्मापन

राशियां तो करोड़ों में जारी हो जातीं हैं लेकिन सांसद, विधायक और बड़े अफसर भूल कर भी स्थल निरीक्षण नहीं करते। यह देखने का कभी प्रयास नहीं किया जाता है कि शासकीय राशि किस तरह से व्यय की जा रही है। शासन की मंशा किस तरह से पूरी की जा रही है। जबकि अधिकारियों द्वारा कार्यों की सतत मॉनीटरिंग की जानी चाहिए और समय समय पर कार्य प्रगति की समीक्षा भी होनी चाहिए। लेकिन अधिकारियों के निकम्मेपन के कारण कुछ नहीं किया जाता है और शासन की भारी राशि पानी में बह जाती है।

रात के अंधेरे में चल रहा था जुए का अड्डा

बुढ़ार पुलिस की दबिश में पांच जुआरी गिरफ्तार, तीन फरार

शहडोल। जिले के बुढ़ार थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जुए के अड्डे पर छापा मारकर पांच जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह पूरी कार्रवाई थाना प्रभारी निरीक्षक संजय जायसवाल के नेतृत्व में की गई। पुलिस ने मौके से 24,300 नगद, ताश के 52 पत्ते और चार मोटरसाइकिलें जब्त की हैं। जब्त की गई संपत्ति का कुल मूल्य लगभग 84,300 आंका गया है।मिली जानकारी के अनुसार 17 अक्टूबर की रात बुढ़ार पुलिस नियमित कस्बा भ्रमण पर थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि रिलायंस कंपनी के पीछे समदा टोला, पकरिया रोड पुलिया के पास ग्राम पहाडय़ा में कुछ लोग मोटरसाइकिल की रोशनी में ताश के पत्तों से रुपए-पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी ने तुरंत टीम गठित की और मौके पर रेड की योजना बनाई। जब पुलिस टीम बताई गई जगह पर पहुंची, तो वहां पांच लोग खुले आम जुआ खेलते पाए गए। पुलिस ने चारों ओर से घेराबंदी कर रेड की कार्रवाई की और पांचों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए जुआरियों के नाम इस प्रकार हैं, दीपक चौधरी पिता स्व. सुखसेन चौधरी उम्र 38 वर्ष निवासी वार्ड नं. 08 चौधरी मोहल्ला, सुरेश तिवारी पिता अरसमे तिवारी उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड नं. 03 बुढ़ार, संजय सराफ पिता स्व. रामसुंदर सराफ उम्र 58 वर्ष निवासी वार्ड नं. 10 बुढ़ार, शरद सोनी पिता स्व. अशोक सोनी उम्र 47 वर्ष निवासी वार्ड नं. 05, मुक्तिधाम के पीछे बुढ़ार, निहित कुमार गुप्ता पिता नर्मदा प्रसाद गुप्ता उम्र 35 वर्ष, निवासी शारदा मंदिर के पास बुढ़ार पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके साथ तीन अन्य व्यक्ति नीरज ताम्रकारवार्ड नं. 10, फतेहचंद गुप्ता वार्ड नं. 03 और राजू प्रजापति वार्ड नं. 09 भी जुआ खेल रहे थे, जो पुलिस की भनक लगते ही अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। बुढ़ार पुलिस द्वारा फरार आरोपियों की तलाश जारी है। घटनास्थल से जब्त की गई नकदी, ताश की गड्डी और मोटरसाइकिलों को पुलिस ने कब्जे में लेकर सभी आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश जुआ अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया है।

वनरक्षक पर युवक का हाथ तोड़ने का आरोप

उमरिया। जिले के चंदिया थाना अंतर्गत ग्राम सलैया में शक्ति माता धाम दुर्गा पंडाल के भंडारे कार्यक्रम के दौरान वनरक्षक वीट गार्ड सलैया रमाशंकर चर्मकार पर एक युवक के साथ गंभीर मारपीट कर हाथ तोडऩे का आरोप लगा है। पीड़ित के पिता राजेन्द्र प्रताप सिंह ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक उमरिया को लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया है कि पुलिस ने घटना के बावजूद वनरक्षक के खिलाफ कोई एफ.आई.आर. दर्ज नहीं की, जबकि झूठे आरोपों के आधार पर उनके पुत्र पुष्पराज सिंह को जेल भेज दिया गया है। फरियादी के अनुसार 27 सितंबर को उनके पुत्र पुष्पराज सिंह सहित कुछ ग्रामीण शक्ति माता धाम में भंडारे में शामिल थे। उसी दौरान वनरक्षक रमाशंकर चर्मकार वहां पहुंचा और ग्रामीणों का वीडियो बनाने लगा। जब ग्रामीणों ने इसका विरोध किया तो वनरक्षक ने गाली-गलौज शुरू कर दी। इस बीच जब विवाद बढ़ा तो लोगों ने उसे शांत कराने की कोशिश की, इसी दौरान उसका मोबाइल गिर गया जो पुष्पराज को मिला। जब पुष्पराज मोबाइल लौटाने गया, तो रमाशंकर चर्मकार ने उसे देखते ही बांस के डंडे से हमला कर दिया, जिससे उसका बायां हाथ कलाई से टूट गया। परिजनों ने बताया कि पुष्पराज को जिला अस्पताल उमरिया में उपचार कराया गया, जहां एक्स-रे में हाथ टूटने की पुष्टि हुई। इसके बावजूद थाना चंदिया पुलिस ने वनरक्षक के खिलाफ कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की, बल्कि उसी के कहने पर उल्टा पुष्पराज और अन्य ग्रामीणों पर मारपीट का मामला दर्ज कर लिया गया।

राजेन्द्र प्रताप सिंह ने आरोप लगाया कि वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के दबाव में पुलिस ने निष्पक्ष जांच नहीं की। उनका कहना है कि उनका पुत्र निर्दोष होते हुए भी जेल में है और गंभीर दर्द झेल रहा है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि वनरक्षक रमाशंकर चर्मकार के खिलाफ तत्काल एफ.आई.आर. दर्ज कर कार्रवाई की जाए तथा उनके पुत्र का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टर से कराया जाए। पीड़ित पक्ष ने अपनी शिकायत के साथ अस्पताल की एक्स-रे रिपोर्ट और पूर्व में एसडीओ को दी गई शिकायत की प्रतियां भी संलग्न की हैं। ग्रामीणों में भी इस घटना को लेकर रोष व्याप्त है और पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की जा रही है।

फुटबाल खिलाड़ियों को विधायक ने किया सम्मानित

शहडोल। मिनी ब्राजील के नाम से पहचान बना चुके ग्राम विचारपुर के 5 फुटबाल खिलाडियो को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण 4 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2025 तक जर्मनी में प्रदान किया गया। प्रशिक्षण प्राप्त कर जर्मनी से वापस हुए फुटबॉल खिलाड़ी सानिया कुंडे, लक्ष्मी सहीस, सुहानी कोल, वीरेंद्र बैगा, प्रीतम सिंह, मनीष घसिया को विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह ने बिरसा मुंडा फुटबाल मैदान में ट्राफी, प्रमाण पत्र एवं टी-शर्ट, प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत फुटबाल मैच का आयोजन किया गया। जिसमें बालिकाओं की फुटबाल टीम ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया।

विधायक ने कहा कि ग्राम विचारपुर को अब मिनी ब्राज़ील ने नाम से जाना जा रहा है यह शहडोल जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि ग्राम विचारपुर के फुटबाल खिलाडियो की प्रतिभा और जूनून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम सहित अन्य विश्व स्तरीय मंच पर सराहना की है। उन्होंने कहा कि जर्मनी में प्रशिक्षण प्राप्त कर आए फुटबाल खिलाड़ी अब अन्य फुटबाल खिलाडियो को खेल की आधुनिक तकनीको के बारीकियो से अवगत कराएंगे। इस अवसर पर फुटबॉल खिलाड़ी सुहानी कोल एवं लक्ष्मी सहीस कोच द्वारा जर्मनी की यात्रा के बारे में अपने विचार साझा किया गया। उन्होंने कहा कि जर्मनी के कोच से फुटबाल खेल की नई-नई खेल तकनीकियों से संबंधित जानकारियां सीखने को मिली है। जो भविष्य में होने वाली फुटबाल प्रतियोगिताओ में काफी मददगार साबित होगी। इस अवसर पर पंडित शम्भूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के संचालक शारीरिक शिक्षक एवं खेल विभाग डॉ0आदर्श तिवारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास श्री अखिलेश मिश्रा, समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग अजय सोंधिया, सहायक संचालक खेल रईस अहमद, दयानंद सोंधिया, अनिल सिंह फुटबॉल कोच, यशोदा सिंह, रजनी सिंह फुटबॉल कोच सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं फुटबाल खिलाड़ी उपस्थित रहें। गौरतलब है कि मिनी ब्राजील के फुटबाल खिलाड़ी निरंतर अभ्यास कर अपने खेल कौशल को निखार रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने का उनका जज्बा क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन रहा है। जर्मनी के प्रतिष्ठित क्लब थ्व प्दहवसेजंकज 4 क्लब ने विचारपुर के खिलाडिय़ों और कोच को 4 से 12 अक्टूबर तक कोच डाइटमार बीयर्सडॉर्फ के निर्देशन में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान आधुनिक फुटबॉल तकनीक, फिटनेस, टीम रणनीति और टैक्टिकल गेम प्लानिंग की गहन ट्रेनिंग प्राप्त किया। खिलाडिय़ों को गेंद नियंत्रण पासिंग, शूटिंग और रक्षात्मक व आक्रामक रणनीतियाँ सिखाएं गए। विश्वस्तरीय प्रशिक्षण के लिए विचारपुर से कुल पाँच खिलाड़ी और एक महिला प्रशिक्षक का चयन किया जिसमें सुश्री लक्ष्मी सहीस (कोच), सानिया कुंडे, सुहानी कोल, प्रीतम कुमार ,वीरेंद्र बैगा, मनीष घसिया शामिल रहें।

स्वदेशी उत्पादों के प्रति जागरूक करने विधायक ने खरीदे स्वदेशी दिये

लोकल फार वोकल का दिया संदेश

शहडोल। पांच दिवसीय दीपावली का पर्व प्रारंभ हो गया है। प्रकाश पर्व दीपावली की शुरूआत धनतेरस से होती है। धनतेरस, नरक चौदस, दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाईदूज का पर्व शहडोल जिले में भी पारंपरिक रीति-रिवाज और उल्लास के साथ मनाया जाता है।

त्योहारों के अवसर पर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और जनमानस में जागरूकता लाने हेतु देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के कुशल नेतृत्व में हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी अभियान चलाकर निरंतर आमजन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने धनतेरस के पावन अवसर पर स्वदेशी उत्पादों के प्रति जनमानस को जागरूक करने एवं स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग करने का संदेश देने के लिए स्थानीय कारीगरों द्वारा निर्मित दीए खरीदे।

इंजीनियरों को दिया गया भूकंपरोधी संरचना निर्माण प्रशिक्षण

शहडोल। आपदा प्रबंधन संस्थान गृह विभाग भोपाल के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में भूकंपपूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय तीन दिवसीय भूकंपरोधी संरचना निर्माण विषयक प्रशिक्षण कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में सम्पन्न हुआ। प्रषिक्षण के समापन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डिप्टी कलेक्टर श्रीमती एंटोनिया एक्का ने कहा कि आपदा कभी भी, कही भी, किसी भी रूप में आ सकती है आपदा के दौरान जागरूकता के अभाव में असमंजस एवं भय का वातावरण निर्मित हो जाता है, इस प्रकार की कार्यशालाएं आपदा के प्रभाव को कम करने में सहायक होती है। उन्होंने कहा कि भूकंप के दौरान सुरक्षित स्थान पर शरण लेने से चोट से बचा जा सकता है। दीवारों और खिड़कियों से दूर रहने की सलाह देते हुए बताया कि भूकंप के समय हमें मजबूत मेज या टेबिल के नीचे छिपना चाहिए। भवनों के निर्माण में भूकंप प्रतिरोधी तकनीक का प्रयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में आपदा प्रबंध संस्थान भोपाल गृह विभाग से आए प्रशिक्षक एवं तकनीकी विशेषज्ञ अभिषेक मिश्रा ने भी प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में आपदा प्रबंध संस्थान भोपाल से गृह विभाग से आए तकनीकी विशेषज्ञ तुषार गोलाईत, ने भूकंप आपदा, सिस्मोलौजी, कारण एवं बचाव के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारियो से अवगत कराया। इस अवसर डिप्टी कलेक्टर श्रीमती एंटोनियो एक्का ने प्रषिक्षण प्राप्त कर रहे प्रतिभागियो को प्रमाण पत्र भी वितरित किया। यह प्रशिक्षण 15 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2025 तक आयोजित किया गया।

खबर संक्षेप

13 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन

उमरिया। न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 दिसंबर को किया गया है। लोक अदालत में न्यायायिक प्रकरण आपराधिक, सिविल, श्रम, मोटरयान दुर्घटना क्षति दावा प्रकरण, कुटुम्ब, न्यायालय के लंबित, प्रिमलिटिगेशन के समझौता योग्य प्रिलिटिगेशन के रूप में सभी बैंको के प्रकरण, नगर पालिका समकेतिक कर एवं जलकर एवं विद्युत प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमरिय ने अधिवक्ताओ एवं आम जन मानस से अपील की है कि आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

छात्रवृत्ति योजनाओं में अधिक से अधिक आवेदन कराने निर्देश

उमरिया। सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्प संख्यक कल्याण ने प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय, प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल भरौला, शासकीय हायर सेकेण्डरी उत्कृष्ट विद्यालय उमरिया, हायर सेकेण्डरी आर सी स्कूल उमरिया, एस टी जोसेफ स्कूल बिरसिंहपुर पाली, हायर सेकेण्डारी स्कूल विद्युत मंडल पाली, केन्द्रीय विद्यालय उमरिया, शासकीय हाई स्कूल मेढक़ी, शासकीय हाई स्कूल कन्या शिक्षा परिसर उमरिया, सेन्ट्रल एकेडमी हायर सेकेण्डरी स्कूल बडेरी तथा स्वामी संतशरण संस्कृत विद्यापीठ छपरौड़ से कहा है कि भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय नई दिल्ली के माध्यम से संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं में अधिक से अधिक आवेदन कराते हुए की गई कार्यवाही से कार्यालय को अवगत कराएं।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने कलेक्टर को सौंपा प्रशस्ति पत्र

उमरिया। सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि 2023-24 मे निर्धारित लक्ष्य राशि 2,83,800 से अधिक 3,62,420 धन राशि एकत्रित कर उमरिया जिले ने सराहनीय योगदान दिया। जिस पर प्रदेश के माननीय राज्यपाल व्दारा शहडोल संभाग अधिकारी राज कुमार शुक्ला को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी संतोष चतुर्वेदी ने कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन को प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड सौंपा।

161 विद्यार्थियों को वितरित की गई साईकिलें

उमरियापान। शासन की निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत उमरियापान के सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बड़वारा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह, जिला मंत्री मंडल विजय दुबे, अध्यक्ष आशीष चौरसिया,सरपंच अटल ब्यौहार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने 161 विद्यार्थियों को साईकिलें बांटी।

अभद्रता, गुंडागर्दी और लापरवाही के आरोप में दो सचिव निलंबित

मानपुर जनपद की समीक्षा बैठक बनी अखाड़ा

प्रशासन की ढिलाई से पंचायत सचिवों के हौसले बुलंद

उमरिया। पंचायत सचिवों की बेलगाम हरकतों और प्रशासनिक अनुशासनहीनता के खिलाफ आखिरकार जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह को सख्त कदम उठाना पड़ा। जनपद पंचायत मानपुर की समीक्षा बैठक में उत्पन्न हुए अभूतपूर्व हंगामे के बाद सीईओ ने दो पंचायत सचिवों— राजेन्द्र प्रताप द्विवेदी ग्राम पंचायत पनपथा एवं अतिरिक्त प्रभार बचहा और मिथलेश तिवारी ग्राम पंचायत माला को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने म.प्र. पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम 1999 के नियम 4 के तहत यह कार्रवाई की है और दोनों सचिवों का मुख्यालय जनपद पंचायत मानपुर निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा, लेकिन यह स्पष्ट है कि अब पंचायत सचिवों की मनमानी पर जिला प्रशासन का चाबुक चल पड़ा है।

बैठक में दिखा 'असली चेहरा'

जानकारी के अनुसार, जनपद पंचायत मानपुर में विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक के दौरान ग्राम पंचायतों की प्रगति का मूल्यांकन किया जा रहा था। इस दौरान पंचायत सचिव राजेन्द्र प्रताप द्विवेदी की ग्राम पंचायत पनपथा और बचहा में योजनाओं की प्रगति बेहद असंतोषजनक पाई गई। जब सीईओ ने उनसे स्पष्टीकरण मांगा तो श्री द्विवेदी ने बैठक के दौरान ही वरिष्ठ अधिकारी से अभद्रता की और मीटिंग छोडक़र बाहर चले गए। मामला यहीं नहीं थमा, बताया गया कि कुछ समय बाद सचिव श्री द्विवेदी ने 20-25 स्थानीय गुंडों को साथ लेकर जनपद पंचायत मानपुर कैंपस का घेराव किया और जनपद भवन में घुसने का प्रयास किया। इस दौरान उन्होंने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की। एक शासकीय सेवक का ऐसा आचरण न केवल शासन की गरिमा के विपरीत है, बल्कि अराजक मानसिकता का भी परिचायक है।

माला पंचायत के सचिव पर भी गिरी गाज

इसी बैठक में ग्राम पंचायत माला के सचिव मिथलेश तिवारी पर भी लापरवाही और उदासीनता का आरोप लगा। आवास योजना, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, सीएम हेल्पलाइन, आधार/समग्र ई-केवाईसी जैसे महत्वपूर्ण विभागीय कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर सीईओ ने इसे पदीय दायित्वों की घोर उपेक्षा माना। सचिव तिवारी के खिलाफ की गई जांच में यह स्पष्ट हुआ कि वे शासन के निर्देशों की लगातार अनदेखी कर रहे थे, जो म.प्र. पंचायत सेवा आचरण नियम 1998 के नियम 3 का सीधा उल्लंघन है।

सचिवों की मनमानी से बिगड़ी पंचायत व्यवस्था

जनपद पंचायत मानपुर का यह प्रकरण पंचायतों में व्याप्त अव्यवस्था की पोल खोलता है। लंबे समय से शिकायतें मिलती रही हैं कि कई पंचायत सचिव योजनाओं में लापरवाही, फर्जीवाड़ा और मनमानी कर रहे हैं, लेकिन कार्रवाई न होने से उनके हौसले बढ़ते जा रहे हैं। शासन की योजनाएं जहां जनता तक नहीं पहुंच पा रहीं, वहीं सचिवों की बदमिजाजी और दबंगई ने पंचायत तंत्र की साख पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि कई सचिव वर्षों से एक ही क्षेत्र में जमे हुए हैं, जिससे वे स्थानीय स्तर पर राजनीतिक और ठेकेदारों से गठजोड़ कर चुके हैं। यही वजह है कि अब वे अधिकारी वर्ग से भी टकराने से नहीं हिचकते। राजेन्द्र द्विवेदी का मामले में गुंडों के साथ प्रशासनिक कार्यालय घेरने तक पहुंच जाना इस अराजकता की पराकाष्ठा बताई जा रही है।

प्रशासनिक ढिलाई से बढ़ी कर्मचारियों की गुंडागर्दी

पंचायत सचिवों की इस मनमानी के पीछे कहीं न कहीं प्रशासन की लापरवाही भी जिम्मेदार है। लंबे समय से सचिवों पर अनियमितता, रिश्वतखोरी और जनहित के कार्यों में गड़बड़ी की शिकायतें मिल रही थीं, लेकिन विभागीय स्तर पर केवल औपचारिक जांचें कर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इसी ढिलाई ने सचिवों को इतना हावी बना दिया कि अब वे वरिष्ठ अधिकारियों से भी अभद्रता और धमकाने तक उतर आए हैं।

खत्म हो जाएगा प्रशासनिक अनुशासन

स्थानीय बुद्धिजीवियों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि अगर इस तरह के कृत्यों पर तत्काल कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो पंचायत व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो जाएगी। जनपद कार्यालयों में बैठकों का माहौल डर और दबाव में तब्दील हो जाएगा। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस मामले में केवल निलंबन ही नहीं बल्कि एफआईआर दर्ज कर आपराधिक कार्यवाही भी की जाए ताकि भविष्य में कोई शासकीय कर्मचारी इस तरह की गुंडागर्दी करने की हिम्मत न कर सके। राजेन्द्र द्विवेदी और मिथलेश तिवारी का निलंबन महज दो कर्मचारियों की गलती का मामला नहीं, बल्कि पूरे पंचायत तंत्र की बीमार मानसिकता का संकेत है।

एसडीएम ने पटाखा दुकानों का निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

उमरिया। एसडीएम बांधवगढ़ हरनीत कौर कलसी ने दीपावली पर्व के दौरान चंदिया एवं ग्राम अखड़ार में लगने वाली अस्थाई पटाखा दुकान स्थल का औचक निरीक्षण करते हुए दुकान संचालको को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन के नियमो का पालन करते हुए पटाखा दुकान संचालित की जाए। दुकानों के बीच आवश्यक दूरी रखी जाए । आग जनी से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक इंतजाम किया जाए तथा जिस व्यक्ति के नाम से लाइसेंस जारी किया गया है, उसी व्यक्ति के व्दारा दुकान का संचालन किया जाए तथा लाइसेंस की कापी संबंधित दुकान में चस्पा की जाए । इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नही बरती जाए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार चंदिया कर्तव्य अग्रवाल सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे ।

बिना अनुमति पटाखे बेचे तो होगी कारवाई, स्थलों का हुआ निर्धारण

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

दीपोत्सव पर्व का आगाज शनिवार यानि आज धनतेरस से शुरू हो जायेगा!पटाखा कारोबार से व्यापारियों को अच्छे व्यापार की उम्मीद है।बहोरीबंद विकासखण्ड मैं पटाखा लायसेंस के लिए 100 लोगो ने आवेदन किये है।जिसमे स्लीमनाबाद ,बहोरीबंद व बाकल मैं पटाखा दुकानों के लिए स्थल चयन कर दिया गया है।चयनित स्थलों की ग्राम पंचायतो के द्वारा साफ सफाई कराई जा रही है।स्लीमनाबाद मैं पटाखा बाजार बहोरीबंद मार्ग मै सोसायटी के ओपन कैप स्थल पर लगेगा। दीपोत्सव पर्व पर बिना लाइसेंस के पटाखे बेचने पर प्रशासन कारवाई करेगा। इस संबंध में बहोरीबंद एसडीएम राकेश चौरसिया ने बताया कि दीपावली पर्व 2025 के अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी स्लीमनाबाद, बहोरीबंद व बाकल क्षेत्र में निर्धारित स्थानों पर अस्थायी आतिशबाजी विक्रय हेतु लायसेंस जारी किये जा रहे हैं। इन निर्धारित क्षेत्रों के अतिरिक्त अन्य स्थलों पर आतिशबाजी का विक्रय प्रतिबंधित है। एसडीएम ने एसडीओपी एवं थाना प्रभारियों को आदेश दिए हैं कि वह अपने-अपने अनुभाग / थाना क्षेत्रान्तर्गत निरीक्षण कर निर्धारित स्थलों / लायसेंसधारियों के अतिरिक्त अन्य व्यक्तियों / स्थानों, फुटपाथ, ठेलों पर एवं अन्य किसी भी स्थान पर किसी प्रकार की आतिशबाजी के विक्रय पर रूपूर्णतः रोक की कारवाई की जाए। यदि कोई व्यक्ति ऐसे स्थलों पर आतिशबाजी विक्रय करता पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाए।करने होंगे सुरक्षा के इंतजाम-एसडीएम के द्वारा जारी आदेशों के अनुसार स्थायी / अस्थायी आतिशबाजी लायसेंसियों को पटाखे की बिक्री के दौरान आगजनी व दुर्घटना रोकने के लिए अग्निशमन यंत्रों, रेत की बाल्टी, पानी की बाल्टी, निर्देशानुसार विद्युत व्यवस्था, दुकानों के मध्य छोड़े गये क्षेत्र को खाली रखना होगा। शर्तों का उल्लंघन पाये जाने पर कार्यवाही की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति ऐसे स्थलों पर आतिशबाजी विक्रय करता पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

निर्धारित मात्रा के अंदर ही पटाखों का भंडारण करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

अस्पताल, नर्सिंग होम, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक स्थलों आदि से 100 मीटर की दूरी तक पटाखे जलाना प्रतिबंधित

दीपावली पर्व के दौरान पटाखों के निर्माण, उपयोग, विक्रय, वितरण एवं प्रस्फोटन के सम्बन्ध में मानक संचालन प्रक्रिया के पालन के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी ने निर्देश जारी किया है। कलेक्टर श्री तिवारी ने पटाखा व्यापारियों को पटाखों के निर्माण, विक्रय और प्रस्फोटन आदि के सम्बन्ध में मध्यप्रदेश शासन के गृह विभाग द्वारा जारी निर्देशों और म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी एस.ओ.पी का पालन करने के निर्देश जारी किया है। जिसके अनुसार दीपावली पर्व के दौरान रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक ही ग्रीन पटाखों का उपयोग किया जा सकता है। ग्रीन पटाखों के अंतर्गत फुलझड़ी, अनार व मेरुन आते हैं। पटाखों का प्रस्फोटन संवेदनशील क्षेत्र जैसे अस्पताल, नर्सिंग होम, हेल्थ केयर सेंटर, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक स्थलों आदि से 100 मीटर की दूरी तक प्रतिबंधित है। जिला प्रशासन एवं जिला पुलिस द्वारा यह सुनिश्चित कराया जाएगा।

प्रतिबंधित पटाखे

पटाखों में बेरियम सॉल्ट आदि विषैले रसायनों का उपयोग प्रतिबंधित है। लड़ी (जुड़े हुए पटाखे) का निर्माण, उपयोग, विक्रय, वितरण, प्रस्फोटन भी प्रतिबंधित है। पटाखों की तीव्रता प्रस्फोटन स्थल से 4 मीटर पर 125 डी.बी.(ए) से अधिक नहीं होनी चाहिए। फटाखों की ऑनलाइन सेल प्रतिबंधित है।

समस्त पटाखा व्यापारी शासन द्वारा निर्धारित पटाखों (ग्रीन पटाखों) का ही विक्रय करेंगे। लाइसेंस में निर्धारित मात्रा के भीतर ही पटाखों का भंडारण करेंगे। अग्नि से सुरक्षा के लिए रेत की बाल्टी, पानी, फायर एक्सटिंग्विशर सिस्टम आदि पर्याप्त मात्रा में रखेंगे। पटाखा दुकानों के पास कोई भी व्यक्ति बीड़ी, सिगरेट ना पिए उसका बोर्ड लगाएंगे एवं लोगों से इसका पालन भी सुनिश्चित कराएं।

कलेक्टर श्री तिवारी ने सभी पटाखा व्यापारियों को शासन एवं म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की गाइडलाइंस का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम एवं तहसीलदारों को जिले की सभी पटाखा फैक्ट्रियों और गोदामों का निरीक्षण कर एस.ओ.पी का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। नगर निगम को अस्थाई पटाखा व्यापारियों की दुकाने, निर्धारित स्थल पर ही लगना सुनिश्चित कराने और फायर ब्रिगेड तैयार रखने सहित सुरक्षा के समुचित इन्तेजाम रखने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग को पर्व के दौरान अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए गए हैं। म.प्र.टूरिज्म बोर्ड के अधिकारी को निरीक्षण कर प्रतिबंधित पटाखे बेचने वाले व्यापारियों पर गाइडलाइंस के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है।

कलेक्टर श्री तिवारी ने जिलेवासियों से अपील की है कि पटाखों के जलने के बाद अधजली बारूद, टुकड़े आदि से पशुओं एवं बच्चों के दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना रहती है, इसीलिए इस कचरे को ऐसे स्थानों पर नहीं फेंका जाए जहां प्राकृतिक जल स्त्रोत एवं पेयजल स्त्रोत हों। पटाखों के जलने के बाद बचे हुए कचरे को अलग स्थान पर एकत्र करें और नगर निगम के कर्मचारियों को सौंपे, जिससे उसे अलग से संग्रहित कर उसका अपवहन सुनिश्चित किया जा सके।

छात्रों ने प्रस्तुत किये आकर्षक और कार्यात्मक मॉडल, खूब मिली सराहना

भारत ज्योति विद्यालय अनूपपुर में कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भारत ज्योति विद्यालय, अनूपपुर में 17 अक्टूबर को एक अत्यंत भव्य और ज्ञानवर्धक कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, विश्लेषण क्षमता तथा विभिन्न विषयों की व्यावहारिक उपयोगिता को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, कला, कंप्यूटर, वाणिज्य, हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी जैसे विषयों पर आधारित सैकड़ों आकर्षक और कार्यात्मक मॉडल प्रस्तुत किए, जिन्हें देखकर उपस्थित अतिथि एवं अभिभावक अत्यंत प्रभावित हुए। प्रदर्शनी में छात्रों ने न केवल अपने मॉडल प्रस्तुत किए, बल्कि उनकी संकल्पना, उपयोगिता और निर्माण प्रक्रिया को भी विस्तार से समझाया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि बच्चों ने विषयवस्तु को गहराई से समझते हुए उसे सृजनात्मकता के साथ जोड़ा है। विज्ञान विषय में "विज्ञान हर जगह है" की अवधारणा को जीवंत करते हुए बच्चों ने जीवन से जुड़ी समस्याओं पर आधारित वर्किंग मॉडल्स जैसे सोलर एनर्जी, वाटर प्यूरीफिकेशन, क्लाइमेट चेंज, स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम आदि का प्रदर्शन किया। गणित के क्षेत्र में सूत्रों की प्रस्तुति रोचक खेलों और ग्राफिकल मॉडल्स के माध्यम से की गई, जिससे यह विषय सरल और रुचिकर प्रतीत हुआ। सामाजिक विज्ञान में भारतीय संविधान, न्याय व्यवस्था, ऐतिहासिक घटनाएं, सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक मुद्दों पर विद्यार्थियों ने प्रभावशाली चार्ट, डायग्राम और मॉडल प्रस्तुत किए। वहीं हिंदी और संस्कृत विषय में व्याकरण, भाषा विकास, श्लोकों की व्याख्या, कहावतों एवं मुहावरों पर आधारित गतिविधियाँ प्रस्तुत की गईं। अंग्रेजी विषय में स्टोरी टेलिंग, लाइव लाइब्रेरी, शब्दावली का विकास और संवाद प्रस्तुति को नवाचार के रूप में प्रस्तुत किया गया। वाणिज्य क्षेत्र में जीएसटी, शेयर मार्केट, बैंकिंग प्रणाली एवं टैक्सेशन जैसे विषयों को बच्चों ने अत्यंत व्यावहारिक और समझदारी से प्रस्तुत किया। कंप्यूटर विषय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर के डेमो सहित डिजिटल इंडिया की झलक प्रस्तुत की गई। कला एवं क्राफ्ट की प्रस्तुति में 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' गतिविधियों के अंतर्गत बच्चों ने कबाड़ से खूबसूरत सजावटी और उपयोगी वस्तुएँ बनाकर रचनात्मकता का परिचय दिया।

बच्चों को प्रदान किया आवश्यक मार्गदर्शन

प्रदर्शनी का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर जी. एलेक्जेंडर एवं उप-प्रधानाचार्या सिस्टर जिस मारिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाते हुए मुख्य अतिथियों का स्वागत विद्यालय के बैंड मार्च द्वारा किया गया, जिसके पश्चात पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह और विद्यार्थियों द्वारा दिए गए परिचय के साथ उनका अभिनंदन हुआ। इस अवसर के मुख्य अतिथि रहे डॉ. विनोद कुमार वर्मा, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं न्यायाधीश, जिला न्यायालय अनूपपुर। उन्होंने विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि "विद्यार्थियों का यह प्रयास इस बात का प्रमाण है कि शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं, बल्कि वह जीवन को दिशा देने वाली शक्ति है।" प्रदर्शनी के मूल्यांकन हेतु विभिन्न क्षेत्रों से विशिष्ट अतिथि एवं विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने न केवल बच्चों के कार्यों का निरीक्षण किया बल्कि उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया। गणित विषय का अवलोकन डॉ. देवेंद्र कुमार तिवारी द्वारा किया गया, जो पंडित राम गोपाल तिवारी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के डायरेक्टर और भारत विकास परिषद, विंध्य प्रांत के अध्यक्ष और रेड क्रॉस सोसाइटी अनूपपुर के सचिव हैं। उन्होंने गणितीय मॉडल्स की सराहना करते हुए बच्चों को आगे की दिशा में प्रेरित किया।

वैज्ञानिक सोच के साथ आगे बढ़ने की दी प्रेरणा

डॉ. पुष्पेंद्र कुमार मिश्रा, जो कि जिला सत्र न्यायालय में गवर्नमेंट प्रॉसिक्यूटर हैं, सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र के निर्णायक रहे। उन्होंने छात्रों से बातचीत की, उनके ज्ञान की गहराई को सराहा, और सामाजिक न्याय, कानून एवं प्रशासन जैसे विषयों पर जानकारी दी। वाणिज्य विषय के विशेषज्ञ भौमिक के. राठौर, एक प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं, जिन्होंने जीएसटी, शेयर बाजार और कर प्रणाली पर विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। डॉ. रमा नायडू, इंग्लिश लिटरेचर में पीएचडी एवं वरिष्ठ शिक्षाविद्, अंग्रेजी विषय की जज थीं। उन्होंने भाषा की व्यावहारिक उपयोगिता को रेखांकित किया और विद्यार्थियों की प्रस्तुति को अत्यंत प्रभावशाली बताया। संजय विश्वास, कला एवं क्राफ्ट के विशेषज्ञ एवं ट्राइबल श्रृष्टि आर्ट संस्था के निदेशक हैं। उन्होंने 'वेस्ट मटेरियल से बेस्ट मॉडल' बनाने की गतिविधियों की सराहना की और बच्चों को बताया कि कैसे कला सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकती है। कंप्यूटर विषय का मूल्यांकन विजय कुमार शर्मा, ट्रेनिंग ऑफिसर, गवर्नमेंट आईटीआई अनूपपुर द्वारा किया गया। उन्होंने तकनीकी विकास और विद्यार्थियों की समझ को सराहते हुए उन्हें डिजिटल स्किल्स के क्षेत्र में और अभ्यास करने की सलाह दी। प्रो. हरिओम शर्मा, गवर्नमेंट मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल के व्याख्याता ने हिंदी एवं संस्कृत विषय के विद्यार्थियों के कार्यों की सराहना करते हुए भाषा के प्रति उनके प्रेम को प्रेरणादायक बताया। वहीं विज्ञान विषय का अवलोकन प्रशांत पांडे, एक्सीलेंस हायर सेकेंडरी स्कूल के लेक्चरर द्वारा किया गया, जिन्होंने विज्ञान की दैनिक जीवन में उपयोगिता को सरल भाषा में समझाया और बच्चों को वैज्ञानिक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम की सभी ने की प्रशंसा

प्रदर्शनी के समापन अवसर पर प्रधानाचार्य फादर जी. एलेक्जेंडर ने विस्तृत एवं भावपूर्ण धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कहा यह आयोजन विद्यालय परिवार के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। मैं इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. विनोद कुमार वर्मा जी का विशेष आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने अपने व्यस्त समय से समय निकालकर हमारे बच्चों की रचनात्मकता को देखा, उन्हें प्रेरित किया और कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया। साथ ही मैं सभी निर्णायकों एवं विशेषज्ञ अतिथियों का भी हृदय से धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने न केवल मूल्यांकन किया, बल्कि छात्रों से संवाद कर उन्हें उनके विषय के प्रति गहन समझ और दिशा प्रदान की। हमारे विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का भी आभार, जिन्होंने छात्रों को मार्गदर्शन दिया, प्रोत्साहित किया और अपनी मेहनत से यह कार्यक्रम साकार किया। अभिभावकों का भी अभिनंदन करता हूँ, जिन्होंने अपने बच्चों को सहयोग दिया, उनका मनोबल बढ़ाया और आज उन्हें आत्मविश्वास के साथ मंच पर प्रस्तुत होते हुए देखा। और अंत में, हमारे प्रिय छात्रों को मेरी ओर से शुभकामनाएँ, जिन्होंने न केवल विषय को समझा, बल्कि उसे रचनात्मक रूप में प्रस्तुत कर यह सिद्ध किया कि आने वाला भारत ज्ञान, विवेक और नवाचार से परिपूर्ण होगा। यह प्रदर्शनी निःसंदेह हमारे छात्रों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक मजबूत कदम है। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय में उत्सव का वातावरण था। जजों, अतिथियों और अभिभावकों ने एक स्वर में इस आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा की और ऐसे कार्यक्रमों को लगातार आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। सभी ने माना कि इस प्रकार की प्रदर्शनी बच्चों को सृजनशीलता, अनुभवात्मक शिक्षा, सहयोग की भावना, और विषयों की गहराई से समझने में सहायक होती है।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने विरासन माता का किया पूजन-अर्चन

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी ने ढीमरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम पाली कचनारी स्थित विरासन माता के प्रसिद्ध मंदिर में पहुंचकर पूजन-अर्चन किया और जिलेवासियों के सुख-समृद्धि की मंगल कामना की। कलेक्टर श्री तिवारी को यहां पर मौजूद स्थानीय जनों ने,न केवल आसपास के धर्मावलंबियों और श्रद्धालुओं बल्कि दूर-दराज और प्रदेश के बाहर के श्रद्धालुओं की भी विरासन माता के मंदिर से जुड़ी आस्थाओं की जानकारी दी और यहां नवरात्रि पर्व के दौरान लगने वाले वृहद मेला आयोजन की भी विस्तृत जानकारी से अवगत कराया।

सीईओ ने निरीक्षण कर विकास कार्यों की टटोली नब्ज

कटनी। जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर द्वारा विभागीय योजनाओं में प्रगति लाने हेतु दिए गए निर्देशों को फलीभूत करने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायतों में पहुंचकर वस्तुस्थिति का आकलन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं। जनपद पंचायत कटनी के सीईओ प्रदीप सिंह ने ग्राम पंचायत घनघरी खुर्द पहुंचकर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, समग्र ई केवाईसी, विभिन्न योजनाओं और मद से स्वीकृत निर्माण एवं विकास कार्यों का निरीक्षण कर नब्ज टटोली। उन्होंने ग्राम पंचायत सचिव और रोजगार सहायक को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ अपूर्ण कार्यों को पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जनपद सीईओ श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास पूर्णता एवं स्वीकृत हितग्राहियों द्वारा कराए गए कार्य की प्रगति के आधार पर किश्त जारी करने की कार्यवाही अविलंब करें। इस दौरान ग्राम पंचायत के सचिव और रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

शिकायतों का निराकरण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने दिए निर्देश

कटनी। जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के सीईओ यजुवेंद्र कोरी ने सेक्टर उमरिया पान एवं धरवारा से सम्बद्ध ग्राम पंचायतों के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों की समीक्षा बैठक ग्राम पंचायत उमरिया पान के सभा कक्ष में की। श्री कोरी में ग्राम पंचायत एवं योजना वार आवास पूर्णता, समग्र ई केवाईसी, स्वीकृत निर्माण कार्यों सीएम हेल्पलाइन एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का संतुष्टि पूर्ण निराकरण एवम् तथ्यात्मक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश अधिकारियो और ग्राम पंचायतों को दिए। इसबी दौरान सहायक यंत्री अजय केसरवानी एवं विभिन्न योजनाओं के प्रभारी, सेक्टर से संबंधित ग्राम पंचायतों के सचिव और ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने वृद्धा की सुनीं समस्या, तहसीलदार को कार्रवाई के दिए निर्देश

कटनी। ढीमरखेड़ा तहसील कार्यालय का निरीक्षण करने पहुँचे कलेक्टर आशीष तिवारी की नजर तहसील प्रांगण में झुकी कमर के साथ आ रही करीब 80 वर्षीय वृद्धा पर पड़ी। जिस पर कलेक्टर स्वयं चलकर वृद्धा के पास जा पहुँचे और आत्मीयता से पूछा, अम्मा...कैसे आना हुआ.. वृद्धा की पहचान ग्राम झिन्ना पिपरिया निवासी सखिया बाई पति बख्तू यादव के रूप में हुई। अपनी समस्या बताते हुए वृद्धा ने कलेक्टर को जानकारी दी कि वह अस्वस्थ हैं और उनकी जमीन पर कुछ व्यक्तियों ने अवैध कब्जा कर लिया है, जिसके निराकरण के लिए वह इतनी तकलीफ उठाकर तहसील आई हैं। वृद्धा की समस्या और उनकी स्थिति को देखते हुए, कलेक्टर ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने मौके पर मौजूद तहसीलदार नितिन पटेल को निर्देशित किया कि वह शुक्रवार को ही ग्राम झिन्ना पिपरिया पहुँचकर मामले का त्वरित निराकरण करें। कलेक्टर ने वृद्धा सखिया बाई के अस्वस्थ होने की जानकारी पर संज्ञान लेते हुए, एसडीएम ढीमरखेड़ा निधि सिंह गोहल को वृद्धा का उपचार कराने निर्देश दिया।

मेरे इलाके में यदि अवैध गतिविधियां जुआ, सट्टा को पनपा तो खैर नहीं टीआई संजय जायसवाल

जुआ फंड में पुलिस ने दी दबिश, 5 जुआड़ियों को धर दबोचा, 24 हजार 3 सौ, दो स्कूटी, दो बाइक जप्त 3 फरार

बुढार।

दीवाली के दो दिन पहले नगर में चल रहे जुआ को पुलिस ने पकड़ कर जूआडियो के मंसूबे पर पानी फेर दिया है बीते रात थाना अंतर्गत ग्राम पकरिया रोड पर समदा टोला के समीप पहाड़ियां के पास खुले मैदान में आपस में रुपयों का हार-जीत का दांव लगाकर जुआं खेल रहे 7 जूआडियो को मौके पर दविश देकर पकड़ने की सफलता अर्जित की है इस छापामार कार्रवाई से पुरे कस्बे में हड़कंप मचा है।

थाना प्रभारी संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि शुक्रवार की रात्रि मुखबिर से सूचना मिली की समदा टोला रिलायंस कंपनी के पीछे पकरिया रोड पर कुछ लोग बैठे हुए हैं सुचना मिलते हैं एक टीम गठित कर मौके पर दविश दी जहां जूआ खेल रहे संजय सराफ निवासी वार्ड 10 शरद सोनी शारदा मंदिर के पास,सुरेश तिवारी,

वार्ड 3, दीपक चौधरी, वार्ड 8 बुढार निहित कुमार गुप्ता बुढार को रंगे हाथ पकड़ कर 24 हजार 3 सौ रुपए नकद बरामद किया।

पुलिस को मौके से सफेद रंग एकटिवा क्रमांक MP 18 SA 6228, क्रीम कलर जुपीटर क्रमांक Mp 18 S 9313,काले रंग एसपी होंडा मोटरसाइकिल 160 सीसी क्रमांक MP 18 ZF 1793, एवं बिना नंबर काले कलर अपाचे मोटरसाइकिल को मौके से पुलिस अपने अभिरक्षा में जप्त कर 60 हजार कीमत आंकी है।कुल जप्ती 86 हजार 3 सौ का माल मसूरका जप्त किया है।

जुआ फड से तीन फरार

शुक्रवार की रात्रि जूआ फंड में दविश के दौरान मौके से बुढार निवासी नीरज ताम्रकार,फतेह चंद्र गुप्ता,राजू प्रजापति अपने वाहन छोड़कर भाग गए जिनकी पतासजी की जा रही है।

दो स्कूटी,दो बाइक भी जप्त

शांति प्रिय माहौल में मनायें त्यौहार

थाना प्रभारी ने दीपाली पर्व को शांति प्रिय माहौल में दीपोत्सव का त्यौंहार मनायें और अवैध सट्टा जूआ जैसी गतिविधियों में लिप्त न रहे यदि पकड़े गए तो खैर नहीं। धर-पकड़ कार्यवाही में एस आई गोविंद भगत, प्रधान आरक्षक गजेंद्र सिंह ,शरद प्रजापति, आरक्षक गोपाल सिंह, आशीष तिवारी का सराहनीय सहयोग रहा।

भाई ने भाई की ली जान हत्या का आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। पारिवारिक विवाद ने एक बार फिर खूनी रूप ले लिया। जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के ग्राम कुदराटोला खुशरवाह में छोटे भाई ने गुस्से में आकर बड़े भाई की हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना 13 सितंबर की है। फरियादिया सुघरी कोल पति स्व. बाबू कोल उम्र 60 वर्ष निवासी कुदराटोला खुशरवाह ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई कि ग्राम करीं, थाना गोहपारू के दऊआ बैगा और उसकी पत्नी रामरती बैगा उनके घर आए थे और रहने के लिए जमीन मांग रहे थे। इस पर फरियादिया और उसका छोटा पुत्र इन्द्रकुमार कोल जमीन देने से मना कर दिए। उसी दौरान बड़ा पुत्र मनोज कोल भी विवाद में शामिल हो गया।

बात बढने पर दोनों भाइयों में कहासुनी और हाथापाई होने लगी। इसी बीच आवेश में आकर इन्द्रकुमार ने घर में रखी टांगी उठाई और बड़े भाई मनोज के सिर पर प्राणघातक वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल मनोज को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहनगर लाया गया, जहाँ उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही जयसिंहनगर पुलिस ने तत्काल धारा 302 भा.दं.वि. के तहत मामला दर्ज कर आरोपी इन्द्रकुमार कोल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त टांगी भी बरामद कर ली है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया गया है और आगे की विवेचना जारी है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। परिजनों में जहां मातम पसरा है, वहीं गांव में इस पारिवारिक हत्या को लेकर सन्नाटा है।

शासकीय महाविद्यालय ब्योहारी के दो छात्रों का चयन

ब्यौहारी शहडोल

राज्य स्तर बास्केटबॉल प्रतियोगिता हेतु हुआ मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार और संभाग स्तरीय बास्केटबाल पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय अटल बिहारी वाजपेई महाविद्यालय जयसिंहनगर मैं किया गया इस प्रतियोगिता मैं अनूपपुर जिला को हराकर शहडोल जिला ने प्रथम स्थान अर्जित किया शासकीय महाविद्यालय ब्यौहारी के तीन छात्रों ने शहडोल जिला का प्रतिनिधित्व किया वहीं दो छात्रों का चयन राज्य स्तर प्रतियोगिता हेतु हुआ सुजल केवट एवं अनुराग गुप्ता दोनों छात्र को महाविद्यालय परिवार के मुखिया एवं प्राचार्य डॉ आरके तिवारी एवं महाविद्यालय के समस्त स्टाफ और क्रीड़ा अधिकारी विजय प्रताप सिंह एवं क्रीड़ा सहायक सुधांशु सिंह(डब्बू)ने शुभकामनाएं दी।

बिना अनुमति पटाखे बेचे तो होगी कारवाई, स्थलों का हुआ निर्धारण

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

दीपोत्सव पर्व का आगाज शनिवार यानि आज धनतेरस से शुरू हो जायेगा!पटाखा कारोबार से व्यापारियों को अच्छे व्यापार की उम्मीद है।बहोरीबंद विकासखण्ड मैं पटाखा लायसेंस के लिए 100 लोगो ने आवेदन किये है।जिसमे स्लीमनाबाद ,बहोरीबंद व बाकल मैं पटाखा दुकानों के लिए स्थल चयन कर दिया गया है।चयनित स्थलों की ग्राम पंचायतो के द्वारा साफ सफाई कराई जा रही है।स्लीमनाबाद मैं पटाखा बाजार बहोरीबंद मार्ग मै सोसायटी के ओपन कैप स्थल पर लगेगा। दीपोत्सव पर्व पर बिना लाइसेंस के पटाखे बेचने पर प्रशासन कारवाई करेगा। इस संबंध में बहोरीबंद एसडीएम राकेश चौरसिया ने बताया कि दीपावली पर्व 2025 के अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी स्लीमनाबाद, बहोरीबंद व बाकल क्षेत्र में निर्धारित स्थानों पर अस्थायी आतिशबाजी विक्रय हेतु लायसेंस जारी किये जा रहे हैं। इन निर्धारित क्षेत्रों के अतिरिक्त अन्य स्थलों पर आतिशबाजी का विक्रय प्रतिबंधित है। एसडीएम ने एसडीओपी एवं थाना प्रभारियों को आदेश दिए हैं कि वह अपने-अपने अनुभाग / थाना क्षेत्रान्तर्गत निरीक्षण कर निर्धारित स्थलों / लायसेंसधारियों के अतिरिक्त अन्य व्यक्तियों / स्थानों, फुटपाथ, ठेलों पर एवं अन्य किसी भी स्थान पर किसी प्रकार की आतिशबाजी के विक्रय पर रूपूर्णतः रोक की कारवाई की जाए। यदि कोई व्यक्ति ऐसे स्थलों पर आतिशबाजी विक्रय करता पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाए।करने होंगे सुरक्षा के इंतजाम-एसडीएम के द्वारा जारी आदेशों के अनुसार स्थायी / अस्थायी आतिशबाजी लायसेंसियों को पटाखे की बिक्री के दौरान आगजनी व दुर्घटना रोकने के लिए अग्निशमन यंत्रों, रेत की बाल्टी, पानी की बाल्टी, निर्देशानुसार विद्युत व्यवस्था, दुकानों के मध्य छोड़े गये क्षेत्र को खाली रखना होगा। शर्तों का उल्लंघन पाये जाने पर कार्यवाही की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति ऐसे स्थलों पर आतिशबाजी विक्रय करता पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

निर्धारित मात्रा के अंदर ही पटाखों का भंडारण करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

दीपावली पर्व के दौरान पटाखों के निर्माण, उपयोग, विक्रय, वितरण एवं प्रस्फोटन के सम्बन्ध में मानक संचालन प्रक्रिया के पालन के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी ने निर्देश जारी किया है। कलेक्टर श्री तिवारी ने पटाखा व्यापारियों को पटाखों के निर्माण, विक्रय और प्रस्फोटन आदि के सम्बन्ध में मध्यप्रदेश शासन के गृह विभाग द्वारा जारी निर्देशों और म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी एस.ओ.पी का पालन करने के निर्देश जारी किया है। जिसके अनुसार दीपावली पर्व के दौरान रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक ही ग्रीन पटाखों का उपयोग किया जा सकता है। ग्रीन पटाखों के अंतर्गत फुलझड़ी, अनार व मेरुन आते हैं। पटाखों का प्रस्फोटन संवेदनशील क्षेत्र जैसे अस्पताल, नर्सिंग होम, हेल्थ केयर सेंटर, शैक्षणिक

अस्पताल, नर्सिंग होम, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक स्थलों आदि से 100 मीटर की दूरी तक पटाखे जलाना प्रतिबंधित

संस्थानों, धार्मिक स्थलों आदि से 100 मीटर की दूरी तक प्रतिबंधित है। जिला प्रशासन एवं जिला पुलिस द्वारा यह सुनिश्चित कराया जाएगा।

प्रतिबंधित पटाखे

पटाखों में बेरियम सॉल्ट आदि विषैले रसायनों का उपयोग प्रतिबंधित है। लड़ी (जुड़े हुए पटाखे) का निर्माण, उपयोग, विक्रय, वितरण, प्रस्फोटन भी प्रतिबंधित है। पटाखों की तीव्रता प्रस्फोटन स्थल से 4 मीटर पर 125 डी.बी.(ए) से अधिक नहीं होनी चाहिए। फटाखों की ऑनलाइन सेल प्रतिबंधित है।

समस्त पटाखा व्यापारी शासन द्वारा निर्धारित पटाखों (ग्रीन पटाखों) का ही विक्रय करेंगे। लाइसेंस में निर्धारित मात्रा के भीतर ही पटाखों का भंडारण करेंगे। अग्नि से सुरक्षा के लिए रेत की बाल्टी, पानी, फायर एक्सटिंग्विशर सिस्टम आदि पर्याप्त मात्रा में रखेंगे। पटाखा दुकानों के पास कोई भी व्यक्ति बीड़ी, सिगरेट ना पिए उसका बोर्ड लगाएंगे एवं लोगों से इसका पालन भी सुनिश्चित कराएं।

कलेक्टर श्री तिवारी ने सभी पटाखा व्यापारियों को शासन एवं म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की गाइडलाइंस का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम एवं तहसीलदारों को जिले की सभी पटाखा फैक्ट्रियों और गोदामों का निरीक्षण कर एस.ओ.पी का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। नगर निगम को अस्थाई पटाखा व्यापारियों की दुकाने, निर्धारित स्थल पर ही लगना सुनिश्चित कराने और फायर ब्रिगेड तैयार रखने सहित सुरक्षा के समुचित इन्तेज़ाम रखने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग को पर्व के दौरान अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए गए हैं। म.प्र.टूरिज्म बोर्ड के अधिकारी को निरीक्षण कर प्रतिबंधित पटाखे बेचने वाले व्यापारियों पर गाइडलाइंस के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है।

कलेक्टर श्री तिवारी ने जिलेवासियों से अपील की है कि पटाखों के जलने के बाद अधजली बारूद, टुकड़े आदि से पशुओं एवं बच्चों के दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना रहती है, इसीलिए इस कचरे को ऐसे स्थानों पर नहीं फेंका जाए जहां प्राकृतिक जल स्त्रोत एवं पेयजल स्त्रोत हों। पटाखों के जलने के बाद बचे हुए कचरे को अलग स्थान पर एकत्र करें और नगर निगम के कर्मचारियों को सौंपे, जिससे उसे अलग से संग्रहित कर उसका अपवहन सुनिश्चित किया जा सके।

कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की मैदानी हकीकत का लिया जायजा

अव्यवस्थाएं एवं कमियां देखकर कलेक्टर ने जताई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर आशीष तिवारी ने गुरूवार को विकासखंड ढीमरखेड़ा क्षेत्र का दौरा किया। यहां उन्होंने क्षेत्र में हो रहे विभिन्न निर्माणाधीन कार्यों सहित ढीमरखेड़ा तहसील कार्यालय एवं एसडीएम कार्यालय का भी औचक निरीक्षण किया और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम निधि सिंह गोहल भी मौजूद रहीं। कलेक्टर आशीष तिवारी अपने भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत सिमरिया और ढीमरखेड़ा में निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया और कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और तय समय-सीमा के भीतर पूरा कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर श्री तिवारी ने ग्राम पंचायत सिमरिया में करीब 20 लाख रूपये की लागत से अधोसंरचना मद से निर्माणाधीन

पंचायत भवन का निरीक्षण किया और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये सहायक यंत्री अजय केशरवानी को निर्देशित किया। कलेक्टर ने ढीमरखेड़ा तहसील कार्यालय परिसर में करीब 1 करोड़ 31 लाख रूपये की लागत से नवनिर्मित एसडीएम कार्यालय भवन का भी अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर मौजूद परियोजना क्रियान्वयन इकाई के सहायक यंत्री को तय मानकों और ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप एवं फर्निसिंग व पेयजल की व्यवस्था के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने ढीमरखेड़ा में तहसील कार्यालय एवं एसडीएम कार्यालय का भी निरीक्षण किया और यहां राजस्व अधिकारियों को राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने की हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ढीमरखेड़ा निधि सिंह गोहल, तहसीलदार द्वय आकांक्षा चौरसिया एवं नितिन पटेल मौजूद रहे। कलेक्टर ने तहसील भवन के निर्वाचन कक्ष, कम्प्यूटर कक्ष एवं न्यायालयीन कक्षों का भी निरीक्षण किया और रीडर्स से प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रियात्मक जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने ग्राम भमका मे बेलकुंड नदी पर मनरेगा योजनांतर्गत करीब 90 लाख रूपये की लागत से निर्माणाधीन रपटा कम काजवे स्टाप डैम का भी अवलोकन किया और इसे शीघ्र पूर्ण करने आरईएस के कार्यपालन यंत्री गौरीशंकर खटिक को निर्देशित किया।

कलेक्टर श्री तिवारी ने सिलौड़ी में कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास सिलौड़ी का औचक निरीक्षण किया। इसके बाद कलेक्टर ने उप तहसील सिलौड़ी और आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिलौड़ी का भी अवलोकन किया और यहां फर्श में पानी की सीलन और मिट्टी-रेत पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने उप तहसील कार्यालय के निरीक्षण में न्यायालयीन मामलों के प्रकरणों की जानकारी पटवारीवार नहीं मंगाये जाने पर भी नायाब तहसीलदार के प्रति अप्रसन्नता व्यक्त की।

कलेक्टर ने भौगोलिक केन्द्र बिन्दु का भ्रमण किया और यहां की महत्ता और नैसर्गिक प्राकृतिक सौंदर्य का अवलोकन किया। यहां मौजूद रहे ग्रामीणों के द्वारा कलेक्टर श्री तिवारी को अवगत कराया गया कि कतिपय असामाजिक तत्वों द्वारा यहां की नक्काशीदार बेल-बूटे युक्त जालियों को क्षतिग्रस्त कर दिया जाता है। जिस पर कलेक्टर ने मौके पर मौजूद रहीं सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक को समझाईश दी कि वे पंचायत में प्रस्ताव पारित कर , पर्यटकों से औसत शुल्क लेकर, उस पैसे से यहां सुरक्षा गार्ड रख सकते हैं।

स्कूली बच्चों के बीच बैठे कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर आशीष तिवारी का शासकीय प्राथमिक शाला बम्हनी स्कूल का निरीक्षण खास बन गया। जब वह अकस्मात शिक्षक की भूमिका में आ गये और उन्होंने कक्षा 1, 2 एवं 3 के छात्रों की कक्षा में खुद उनके साथ बैठकर गिनती सुनी। कलेक्टर ने छात्रा राधिका और छात्र इंदल काछी के पास बैठकर छात्रों से अब तक क्या कुछ पढ़ा है इसके बारे में छात्रों से बातचीत किया। उन्होंने छात्रों से 32 और 34 के बीच की संख्या और 45 से 48 के बीच की संख्या बताने के लिये कहा, जिस पर छात्रा अनुष्का और दीपिका ने सही जवाब बताया। इस पर कलेक्टर ने छात्रों को शाबाशी दी और वेरी गुड कहा। फन एण्ड लर्न नोटबुक के माध्यम से छात्रों को उनके पास बैठकर स्वयं अभ्यास कराया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बच्चों से दो का पहाड़ा सुनाने के लिये कहा जिस पर छात्रा सृष्टि ने बिना अटके 2 का पहाड़ा सुनाया। कलेक्टर ने शासकीय प्राथमिक शाला बम्हनी स्कूल के बच्चों को बैठने के लिए जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से बेंच उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिये।

विकास कार्यों से लोगों को मूलभूत सुविधाओं से मिलेगी सहूलियत

दो वार्डों में 60 लाख रूपए से होने वाले विकास कार्यों की रखी गई आधारशिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

दीपावली पर्व के आगमन से पूर्व महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने गुरुवार को नगर के दो वार्डों के चार स्थलों में लगभग 60 लाख रुपए से अधिक की लागत से निर्मित होने वाले सीसी सड़क एवं नालियों के विकास कार्यों का भूमिपूजन स्थानीय पार्षदों एवं गणमान्य जनों के साथ उल्लासपूर्ण माहौल के बीच संपन्न कराते हुए शहरवासियों को विकास कार्यों का बड़ा तोहफा दिया है।

वंशवरूप वार्ड में 41.40 लाख रुपए की लागत से तीन स्थलों में द्वारका सिटी रोड के किनारे नाला रिपेयरिंग एवं कवरिंग, द्वारका सिटी के गेट तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कराए जाएंगे । जबकि वेंकट वार्ड में नारायण केवट के मंदिर से मालती, कोमल बर्मन 19.45 लाख रुपए से सी सी रोड निर्माण कार्य शामिल है।

महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि निगम प्रशासन का उद्देश्य है कि कटनी को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक शहर के रूप में विकसित किया जाए। विकास निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और कटनी नगर निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। आने वाले समय में शहर के नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलें इसके लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। शहर के प्रत्येक नागरिक को अच्छी आवागमन सुविधा, विद्युत, शुद्ध पेयजल, सीवर लाइन, शिक्षा एवं साफ सफाई की व्यवस्था कराना ही नगर निगम की प्राथमिकता है। महापौर श्रीमती सूरी ने भूमिपूजन के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विकास कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समयावधि में पूर्ण किए जाए, ताकि नागरिकों को शीघ्र लाभ मिल सके। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय पार्षदगण एवं उपस्थित नागरिकों द्वारा कार्यक्रम के दौरान महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी का स्वागत सम्मान किया जाकर निगम प्रशासन वार्डों में कराए जा रहे इन विकास कार्यों से मूलभूत सुविधाओं में विस्तार होने की बात कही गई जाकर निर्माण कार्य पूर्ण होने से सुगम आवागमन सहित जल निकासी एवं सफाई व्यवस्था सुदृढ़ होने की बात कही।

खबर संक्षेप

बढ़ती सोने की कीमतों पर फूटा मध्यम वर्ग का दर्द

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। एक ओर सोने की आसमान छूती कीमतों ने आमजन के बजट को हिला कर रख दिया है, वहीं दूसरी ओर यह मुद्दा अब राजनीतिक रंग भी लेने लगा है। भगवा पार्टी की अनूपपुर नगर महिला अध्यक्ष एडवोकेट संतोष दुबे ने इस पर तीखा तंज कसते हुए कहा अब समझ आया, किसने छीना लोगों का मंगलसूत्र। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए भाषण में "मंगलसूत्र" शब्द ने खूब सुर्खियाँ बटोरी थीं, परंतु आज हालात ऐसे बन गए हैं कि गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों से सचमुच उनका मंगलसूत्र छिनता दिखाई दे रहा है। संतोष दुबे ने कहा कि अब गरीब और मध्यम वर्ग अपने बच्चों की शादी में मंगलसूत्र देना तो दूर, साधारण आभूषण खरीदने की भी हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। प्रधानमंत्री का वह वक्तव्य अब किसी इशारे से अधिक, आने वाले आर्थिक संकट की भविष्यवाणी साबित हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार को चाहिए कि वह सोने की कीमतों पर नियंत्रण के ठोस उपाय करे तथा मध्यम वर्ग को राहत देने के लिए नीति बनाए, क्योंकि यही वर्ग न तो सरकारी योजनाओं का लाभ पा रहा है और न ही महंगाई की मार से बच पा रहा है। मंगलसूत्र सिर्फ एक गहना नहीं, बल्कि भारतीय नारी की आस्था और परिवार का प्रतीक है। दुबे ने कहा कि लेकिन अब महंगाई ने इस प्रतीक को भी छीनने की शुरुआत कर दी है। स्थानीय गृहिणी रेखा द्विवेदी ने अपनी व्यथा व्यक्त करते हुए कहा कि अब शादी-ब्याह तो भगवान भरोसे हो गए हैं। सोने की कीमत सुनते ही आम लोगों के हाथ-पैर फूल जाते हैं। सर्राफा व्यापारियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में अस्थिरता और करों में बढ़ोतरी से सोने के भाव थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। बीते वर्ष 70द्72 हजार रुपये प्रति तोला रहा सोना अब 1.30 लाख रुपये प्रति तोला के पार पहुँच गया है। नगर महिला अध्यक्ष संतोष दुबे ने सरकार से मांग की है कि आमजन को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाए जाएँ, ताकि "मंगलसूत्र" सिर्फ एक राजनीतिक जुमला न रह जाए, बल्कि भारतीय नारी के सम्मान और विश्वास का प्रतीक बना रह सके।

पूर्व उपसरपंच के निधन से शोक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला मुख्यालय से सटे ग्राम बरबसपुर के पूर्व उपसरपंच व प्रतिष्ठित व्यक्ति शिवदयाल सिंह का 17 अक्टूबर की रात रायपुर अस्पताल में इलाज के दौरान देवलोकगमन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 18 अक्टूबर सोननदी मुक्तिधाम में किया गया। इस दौरान लोगों ने पहुंचकर मृतात्मा की शांति व पीड़ित परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से कामना की। ज्ञात हो कि शिवदयाल सिंह, भगवती सिंह, प्रकाश सिंह तथा विष्णु सिंह के स्व. श्री शिवदयाल सिंह पूज्य पिताजी थे। श्री सिंह के आकस्मिक निधन से इष्ट मित्रों सहित नगरवासियों ने शोक व्यक्त किया है।

उर्वरकों के संतुलित मात्रा में उपयोग हेतु कृषकों को सलाह

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। रबी वर्ष 2025-26 हेतु कृषकों द्वारा फसलों की बुवाई हेतु उर्वरकों का उठाव लगातार किया जा रहा है। इस हेतु कृषि विभाग द्वारा उर्वरकों के संतुलित मात्रा में उपयोग हेतु कृषकों को फसल वार प्रयोग होने वाले उर्वरकों एवं विकल्पों के संबंध में जानकारी दी गई है। जिले में यूरिया 709 मैट्रिक टन, सभी फास्फेटिक उर्वरक 610 मैट्रिक टन, म्यूरेट ऑफ पोटाश 18 मे. टन की मात्रा उपलब्ध है। डी.ए.पी. उर्वरक के विकल्पों एस.एस.पी., 20:20:0:13, 16:16:16, टी.एस.पी. आदि डबल लॉक केन्द्रों अनूपपुर, कोतमा, जैतहरी, पुष्पराजगढ़, समितियों के पास विक्रय हेतु उपलब्ध है। एस.एस. पी. उर्वरक में पौधों के लिए आवश्यक फॉस्फोरस, सल्फर और कैल्शियम तत्व पाये जाते हैं, जो सभी फसलों के लिए उपयुक्त है।

सराफा दुकानों में रही सबसे अधिक भीड़

धनतेरस पर बाजार में खूब हुई धन की वर्षा

दीपावली के लिए झालरों से सज गए बाजार, जमकर हो रही खरीददारी

ऑनलाइन स्थानीय दुकानदारों को लगा रहा घाटा

जिला मुख्यालय सहित कोयलांचल व मैकलांचल समेत ग्रामीण अंचलों में धनतेरस पर जमकर खरीददारी हुई। बाजार में धन की वर्षा हुई, लोगों ने अपनी आवश्यकता और मान्यताओं को लेकर सामानों की खरीददारी की। सोने-चांदी के सिक्के, जेवरात, लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति की बिक्री हुई। बर्तन दुकान, इलेक्ट्रानिक प्रतिष्ठान, वाहनों के शो-रुम में भी ग्राहकों की भीड़ उमड़ी। झाड़ू, पूजा के सामान व अन्य सामानों की बिक्री को लेकर भी लोग बाजार पहुंचे।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

सुबह 10 बजे से ही खरीदारी का माहौल बनने लगा था सुबह 10 बजे से ही लोग बाजार में पहुंचने लगे थे। दोपहर बाद ग्राहकों की संख्या बढ़ने लगी और देर रात तक खरीदी का दौर चलता रहा गारमेंट, पूजन-सजावटी सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोजमर्रा की सामग्री और मिठाई-नमकीन की दुकानों पर भारी भींड़ देखी गई। लोग इस बार सजावट, रोशनी आइटम्स भी बड़ी संख्या में खरीद रहे हैं। गारमेंट में फैशन और परंपरागत ड्रेस पर फोकस कर रहे हैं। ग्राहकों की भीड़ देख कर दुकानदारों के चेहरे पर खुशी नजर आई। धनतेरस को लेकर बाजार गुलजार नजर आए। लंबे समय के बाद व्यवसायियों को इस बार अच्छा कारोबार देखने को मिला। धरतेरस के दिन बाजार मे जमकर धन की वर्षा हुई।

सराफा दुकानों में रही सबसे अधिक भीड़

शनिवार को सराफा दुकानो में सुबह 10 बजे से ही ग्राहकों की भीड़ नजर आई हर कोई मुहूर्त पर सामान लेकर अपने घर जाना चाह रहा था। सराफा दुकानों में ग्राहकों की लंबी कतार सुबह से लेकर देर रात तक लगी रही। कोतमा के चंदेरिया आभूषण मे भारी भीड़ देखी गई। चंदेरिया आभूषण के संचालक ने बताया कि इस बार धनतेरस को ग्राहकों ने जमकर सोने चांदी के आभूषण के साथ ही चांदी के सिक्के की खरीदारी की उन्होंने ग्राहकों की सुविधा के लिए दुकान में अलग-अलग काउंटर बनवाए थे जिससे ग्राहकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। ऑटोमोबाइल शोरूम में भी सुबह से ही ग्राहक दो पहिया चार पहिया वाहन खरीदने के लिए पहुंच रहे थे सुबह से लेकर देर रात तक ग्राहकों की जमकर भीड़ देखी गई। चार पहिया वाहन के लिए लोगों ने पहले से ही बुकिंग कर ली थी बस शुभ मुहूर्त में वाहन को उठाना शेष था जो धनतेरस के दिन वाहन पूजा-अर्चना कर अपने घर ले गए।

मिट्टी के दीयों की बढ़ी पूछ परख

धनतेरस पर्व को लेकर बर्तन व्यवसाय भी एक दिन पूर्व दुकानों में तैयारी बना लिए थे सुबह 10 बजे से दुकानदारी शुरू हुई जो देर रात तक ग्राहकों की भीड़ लगी रही। इलेक्ट्रॉनिक फर्नीचर कपड़े की दुकानों में भी सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ नजर आई ग्राहकों ने जमकर धनतेरस के दिन खरीदारी की। धनतेरस के दिन मानता है कि झाड़ू एवं धनिया खरीदना शुभ माना जाता है ग्राहकों ने झाड़ू एवं धनिया खरीद कर अपने घर ले गए। लोगों ने फर्नीचर की भी जमकर खरीदारी की। बाजार में मिट्टी के दिए स्थानीय कुम्हार एवं शिल्पकारों के द्वारा दुकान सजा लिए थे लोगों ने लोकल फार वोकल के तहत मिट्टी के दीए की जमकर खरीदारी की। धनतेरस के दिन लोगों की भीड़ को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन के द्वारा बाजार में बड़े वाहन प्रवेश न हो इसके लिए नगर के मुख्य जगहों पर बैरी गेट्स लगा कर रखे थे। त्यौहार में शांति व्यवस्था बनी रहे इसके लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा बाजार के मुख्य जगहों पर पुलिस की ड्यूटी लगाई गई थी।

कलरफुल हुआ कोतमा नगर

दीपावली के पहले घरों में साफ-सफाई करने के बाद अब महिलाएं सजावटी सामानों की खरीदारी के लिए बाजार का रुख कर रही हैं। नगर के सभी मुख्य बाजारों में भीड़ बढ़ने लगी है। दुकानदारों की तैयारी भी पूर्ण हो चुकी है। विभिन्न प्रकार की झालर समेत सजावट के सामान मौजूद हैं। जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। लोग चाइनीज सजावटी सामान को छोड़ स्वदेशी साज-सज्जा के सामान की मांग कर रहे हैं। दुकानदारों ने अपनी दुकानों को रंग-बिरंगी लाइटों से सजा दिया है। जिससे बाजारों का माहौल खुशनुमा दिखाई दे रहा है। चारों ओर दीपावली की चमक नजर आ रही है। लोगों द्वारा जमकर खरीदारी की जा रही है। दीपावली के पर्व पर मकानों को सजाने का रिवाज पुराने समय से चल रहा है। जिसके लिए महिलाएं एक माह पहले से घर की सफाई करने में जुट जाती हैं। सफाई के बाद मकान की सजावट के लिए विभिन्न सामानों की खरीदारी करने में जुट जाती हैं। सजावटी सामान की खरीदारी के लिए नगर की रेलवे स्टेशन चौक गांधी चौक मुखर्जी चौक आजाद चौक रोड, समेत बाजारों में लोगों की भीड़ उमड़ने लगी है। वहीं, दीपावली के नजदीक आते ही लोग अपने घरों को सजाने के लिए रंग-बिरंगी लाइटों की झालरों की भी जमकर खरीदारी कर रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि भले ही भारत में बनने वाली झालरों की कीमत चीनी झालरों से ज्यादा होती है लेकिन, वह जल्दी से खराब नहीं होती है। स्वदेशी झालर अगली दीपावली पर भी काम आ जाती हैं। बाजार में रंग-बिरंगे बिजली के बल्बों से लेकर अन्य सजावटी सामान अधिक दिख रहे हैं।

ऑनलाइन के कारण घट गया मार्केट

नितेश जैन ने बताया कि लाइट वाले झूमर भी लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। कम दामों पर आकर्षित करने वाली झूमर लोगों की पहली पसंद हैं। ये झूमर छोटे घर हो या फिर बड़े हर जगह पर आसानी से लग जाते हैं। इस झूमर की कीमत 100 रुपए से लाकर के 850 रुपए तक की हैं। नितेश ने बताया कि ऑनलाइन झालर आने के कारण मार्केट में बड़ा प्रभाव पड़ा हैं। करीब 40 प्रतिशत सेल डाउन हो गई हैं। इस बार मार्केट में पत्ती वाली झालरों ने भी ग्राहकों को खूब लुभाया हैं। ये झालर ऐसी है कि कही छोटी जगहों पर इन्हें लगा सकते हैं। ज्यादा बिजली भी नहीं खर्च होती हैं। इलेक्ट्रॉनिक दुकानदार दुलीचन्द अग्रवाल ने बताया कि दीपावली को लेकर उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक सामानों की बिक्री करने के लिए दुकान को सजा लिया है उन्होंने लोकल फार बोकल को बढ़ावा देते हुए अपने देश में ही निर्मित झालर एवं अन्य विद्युत के उपकरणों की बिक्री के लिए स्थानीय स्तर पर खरीदारी की है। वाटर प्रूफ स्टार वाली झालर भी लोगों को खूब पसंद आ रही हैं। इसके अलावा अगर बात करे तो मैजिक पाइप भी लोगों की पहली पसंद हैं। इसके अलावा पत्ती वाली झालर इस साल बिल्कुल नई हैं, जो आगे दरवाजों और अलमारियों के लिए बनाई गई हैं। उन्हें बस ग्राहकों का इंतजार है।

सोशल मीडिया मे विवादित पोस्ट से दिवाली से पहले चिंगारी

सर्व हिन्दू समाज ने शिकायत देकर की एफआईआर की मांग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले में सोशल मीडिया पर डाली गई एक विवादित पोस्ट को लेकर राजनीतिक व सामाजिक माहौल गरमा गया है। यह पोस्ट कांग्रेस जलिा अध्यक्ष गुड्डू सिंह चौहान से जुड़ी बताई जा रही है, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे प्रतिष्ठित संगठन पर आरोप लगाए गए हैं। सर्व हिन्दू समाज ने इसे गंभीर मामला बताते हुए आरोप लगाया है कि इस प्रकार की पोस्ट समाज में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास है। संघ के कार्यकर्ताओं का कहना है कि इस पोस्ट से हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं और समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है। इस मामले को लेकर संघ एवं सर्व हिन्दू समाज के पदाधिकारियों ने कोतवाली थाना अनूपपुर में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए गुड्डू सिंह चौहान के खिलाफ थ्त दर्ज करने की मांग की है। उनका कहना है कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों पर रोक लग सके। आवेदन 17 अक्टूबर को कोतवाली थाना अनूपपुर में सौंपा गया। संघ पदाधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो हिंदू समाज को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

लिटिल स्टेप्स हाई स्कूल के बच्चों ने मनाया शेयरिंग हैप्पीनेस-द रियल दिवाली

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

इस दिवाली लिटिल स्टेप्स हाई स्कूल अनूपपुर के विद्यार्थियों ने एक सुंदर और प्रेरणादायक पहल की। विद्यालय परिवार ने शेयरिंग हैप्पीनेस-द रियल दिवाली अभियान के तहत तीन स्टॉल लगाकर राहगीरों और ज़रूरतमंद लोगों को टॉफियाँ, मिठाइयाँ, फल और अन्य खाद्य सामग्री वितरित की। इस अभियान की ख़ास बात यह रही कि कई अभिभावक भी अपने बच्चों के साथ इस मुहिम में शामिल हुए। सभी ने मिलकर मुस्कानें बाँटी और लोगों को अपनी ओर से शुभकामनाएँ दीं। यह दृश्य देखकर स्पष्ट था कि जब परिवार और विद्यालय एक साथ आते हैं, तो समाज में सच्ची रोशनी फैलती है। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को यह समझाना है कि दिवाली केवल पटाखे जलाने या मिठाई बाँटने का त्योहार नहीं, बल्कि खुशियाँ साझा करने और दूसरों के जीवन में प्रकाश फैलाने का अवसर है। इस तरह की गतिविधियाँ बच्चों में संवेदनशीलता, जम्मिेदारी और सामाजिक जागरूकता बढ़ाती हैं। वे सीखते हैं कि हमारे आस-पास की हर चीज़, हर व्यक्ति और हर संसाधन का सम्मान करना कितना आवश्यक है। यह अनुभव उन्हें विनम्र, सहृदय और जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करता है। विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रियंका शुक्ला ने कहा कि विद्यालय की असली जिम्मेदारी केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों का समग्र विकास करना है ताकि वे ज्ञान के साथ-साथ अच्छे संस्कारों से भी सम्पन्न हों।

ऊर्जा मंत्री के आश्वासन पर आंदोलन हुआ स्थगित

बिजली प्रशासन से 4 चरण में 4 दिन 14 घण्टे चली मैराथन बैठक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

म.प्र. के 45 हजार बिजली आउटसोर्स कर्मियों का धनतेरस एवं चौदस 18 व 19 अक्टूबर को प्रस्तावित कामबंद आन्दोलन फिलहाल वापिस लेकर स्थगित कर दिया गया है। धनतेरस, चौदस व दीपावली के दिन अब बिजली आउटसोर्स कर्मचारी अपनी ड्यूटी करेंगे। यह जानकारी म.प्र. बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव, महामंत्री दिनेश सिसोदिया एवं जनता यूनियन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेन्द्र भदौरिया ने प्रेस को दी। प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव ने कहा कि म.प्र. के 45 हजार बिजली आउटसोर्स कर्मियों को लीव इनकेशमेंट देने सहित 34 सूत्रीय मांगों को लेकर आज शुक्रवार को वल्लभ भवन मंत्रालय,भोपाल में उर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई एवं उर्जा सचिव श्री विशेष गढ़पाले के साथ 2 घण्टे चली हाई लेवल बैठक ऐतिहासिक रही, जिसमें सभी 34 मांगों पर ठोस चर्चा हुई एवं अधिकांश मांगों पर सहमति बनाते हुए शनिवार को माननीय ऊर्जा मंत्री से भी बैठक हुई जिसमें मुख्य रूप से जैसे तमिलनाडु सरकार में आउटसोर्सिंग को चरणबद्ध करके आपातकालीन कार्य को सीधी भर्ती के माध्यम से कराई जा रही है। इसी प्रकार मध्य प्रदेश में भी आंध्र प्रदेश की तर्ज पर सेवा निगम बनाकर, हरियाणा में कौशल विकास निगम बनाया गया। इसी तरह मध्य प्रदेश में भी व्यवस्था की जाए जैसे पहले लोग मास्टर से रेगुलर हो रहे थे इस तरह कर्मचारी जो वर्तमान में कार्यरत हैं को सीधी भर्ती में लाभ दिया जाकर 49000 पद जो दिया जाना है उसको आरक्षण के तहत एवं जो योग्यता का मापदंड पूरा करते हैं उनका नियमित करने का मार्ग प्रशस्त किया जाए यह सुझाव दिया कि जो श्रमिक कार्य कर रहे हैं उन्हें लघु पद बनाकर कम वेतन पर ही नियमित किया जाए तो सरकार पर अतिरिक्त वित्तीय भार भी नहीं आएगा और कर्मचारियों के जीवन में स्थायित्व आएगा जिससे सरकार के आउटसोर्सिंग व्यवस्था में 5 प्रतिशत ठेका कमीशन, टीडीएस, जीएसटी का जो भार आ रहा है उससे भी राहत मिलेगी। ऊर्जा मंत्री ने सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए कहा कि जहां-जहां यह व्यवस्था लागू है हम तहकीकात करके और उससे संबंधित जो भी अध्यादेश ऑर्डर होंगे उनको बुलवाकर अध्ययन करके किसी भी तरह हम भी लागू करेंगे ऐसा आश्वासन दिए हैं। इस तरह बिजली कम्पनियों, उर्जा विभाग तथा मंत्रालय के उच्चाधिकारियों से बहुचर्चित माँगों को लेकर 4 दिनों तक चार चरण में कुल 14 घण्टे लम्बी मैराथन बैठक भोपाल, इंदौर एवं जबलपुर में चली, जो बेहद सकारात्मक व कारगार रही। इसके बाद आंदोलन टालने का फैसला हुआ। इसके पहले विद्युत वितरण कम्पनी के प्रबंध संचालक अनूप कुमार सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (एचआर) प्रकाश सिंह चौहान से इंदौर में, म.प्र.म.क्षे.वि.वि.कं. भोपाल के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल व मुख्य महाप्रबंधक (एचआर) उत्कर्ष गौर से हुई चर्चा सकारात्मक रही। इसके बाद ट्रांसमिशन कं. जबलपुर के मुख्य महाप्रबंधक (एचआर) धीरेन्द्र सिंह के साथ बैठक संतोषप्रद रही, परन्तु पूर्व क्षेत्र वि.वि.कं.जबलपुर के प्रबंध संचालक अनय द्विवेदी एवं मुख्य महाप्रबंधक (एचआर) संपदा सर्राफ के साथ शक्ति भवन जबलपुर में हुई बैठक बेहद उत्साहजनक, सकारात्मक व शानदार रही, जिसके लाभकारी परिणाम जल्द ही सामने आएंगे।

प्राणी विज्ञान में दीनदयाल जायसवाल को मिली पीएचडी की उपाधि

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

समीपी ग्राम चाका निवासी दीनदयाल ने क्षेत्र का मान बढ़ाया है। जल गुणवत्ता और पारिस्थितिक प्रभाव पर किया महत्वपूर्ण शोध। कोतमा तहसील अंतर्गत सुदूर ग्राम चाका निवासी दीन दयाल जायसवाल पिता गोकुल प्रसाद जायसवाल ने अपने कठिन परिश्रम और समर्पण से प्राणी विज्ञान विषय में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी पीएचडी की उपाधि अर्जित कर न केवल अपने गांव और परिवार का, बल्कि पूरे कोतमा विकासखंड का नाम गौरवान्वित किया है। दीन दयाल जायसवाल ने यह उपाधि पंडित शंभू नाथ शुक्ल विश्वविद्यालय शहडोल से प्राप्त की। उनका शोधकार्य विषय विशेषज्ञ डॉ. कौशलेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। उनके शोध का विषय था शहडोल संभाग की चयनित डैम्स के भौतिक एवं रासायनिक गुणों का लिम्नोलॉजिकल अध्ययन एवं विश्लेषण। उन्होंने अपने शोध में चयनित बांधों के जल की गुणवत्ता और उसके पारिस्थितिक प्रभाव पर गहन अध्ययन किया। इस कार्य को विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामशंकर मिश्रा, अन्य वरिष्ठ प्रोफेसरों एवं रिसर्च स्कॉलर्स ने अत्यंत सराहनीय और उपयोगी बताया। दीन दयाल जायसवाल ने अपने शोधकाल के दौरान राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध सम्मेलनों में भाग लेकर कई शोध पत्र प्रस्तुत किए और जनरल रिसर्च जर्नल्स में भी अपने निष्कर्ष प्रकाशित करवाए। वे अपनी इस सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों, परिवारजनों और शुभचिंतकों को देते हैं, जिनके सहयोग और आशीर्वाद से यह उपलब्धि संभव हुई। शिक्षा के साथ-साथ दीन दयाल जायसवाल समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं। उनके इस योगदान और शैक्षणिक उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र में हर्ष की लहर है और लोग उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं।